Exam. Code : 216301
Subject Code : 4340

M.A. Hindi Semester—I

Paper—I : ADHUNIK HINDI KAVYA

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

नोट :— प्रत्येक खण्ड से अनिवार्यत: एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

1. निम्नलिखित काव्य अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :— 8+8=16

(अ) वेदने तू भी भली बनी।
पाई मैंने आज तुझी में अपनी चाह घनी।
नई किरण छोड़ी है तूने, तू वह हीर-कनी।
सजग रहूँ मैं, साल हृदय में, ओ प्रिय विशिख-अनी!

(ब) कोमल किसलय मर्मर-रव-से जिसका जयघोष सुनाते हों,
जिसमें सुख-दुख मिलकर मन के उत्सव आनंद मनाते हों,
उज्ज्वल वरदान चेतना का सौंदर्य जिसे सब कहते हैं,
जिसमें अनन्त अभिलाषा के सपने सब जगते रहते हैं।

2. निम्नलिखित काव्य अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :— 8+8=16

(स) सौंदर्य जलधि से भर लाए केवल तुम अपना गरल पात्र
तुम अति अबोध, अपनी अपूर्णता को न स्वयं तुम समझ सके
परिणय जिसको पूरा करता उससे तुम अपने आप रुके
'कुछ मेरा हो' यह राग भाव संकुचित पूर्णता है अजान
मानस-जलनिधि का क्षुद्र यान।

(द) बोले विश्वस्त कण्ठ से जाम्बवान-"रघुवर,
विचलित होने का नहीं देखता मैं कारण,
हे पुरुष सिंह, तुम भी यह शक्ति करो धारण,
आराधन का दृढ़ आराधन से दो उत्तर,
तुम वरो विजय संयत प्राणों से प्राणों पर;

खण्ड—ख

3. 'साकेत' के नवम् सर्ग के काव्य-वैभव पर सोदाहरण प्रकाश डालिए। 16

4. 'साकेत' महाकाव्य के आधार पर उर्मिला का चरित्र-चित्रण कीजिए। 16

खण्ड—ग

5. कामायनी के दार्शनिक पक्ष की विवेचना कीजिए। 16

6. रामधारी सिंह 'दिनकर' के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए। 16

खण्ड—घ

7. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की काव्य विकास यात्रा के विभिन्न चरणों की विवेचना कीजिए। 16

8. 'सरोज स्मृति' के कथ्य और शिल्प की समीक्षा कीजिए। 16

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com
downloaded from StudentSuvidha.com